



श्री हरिः

# सौराष्ट्र शिक्षावली

पहिलो भाग

ग्रंथ कर्ता—

ना. रा. कुण्डस्वामि

मुद्रक—

हिंदी प्रचार प्रेस

१३, निग स्ट्रीट ट्रिप्लिकेन मद्रास

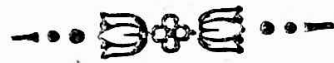
प्रथम आवृत्ति ]

१९२४

[ माल चार अणो

# સૌરાષ્ટ્ર શિક્ષાવલી

પહિલો ભાગ



પ્રેય કર્તા—

ના. રા. કુણ્ડુસ્વામિ



પ્રથમ આવૃત્તિ)

૧૯૨૪

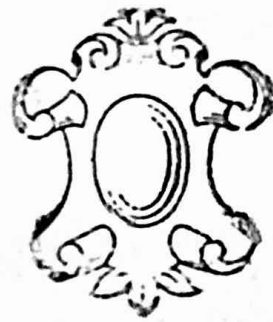
(મોલ ચાર અણો

पुस्तक पजे हांयास्तेनु खल्ला विलासुक लिक्कि मग लुयाय

ना. रा. कुण्णुस्वामि,

१९, नयनण नायक वीथि,

पार्क टौन, मद्रास.



मुद्रक.—

हिन्दी प्रचार प्रेस,

५६, बिग. स्ट्रीट, टिफिन केन, मद्रास

ओं

## श्रीरस्तु

पीठिका

अस्मि हिन्दुन वसतु हिंये देशुक भारत देश मेनि नाम । ए  
उत्तर हिंदूस्थान दक्षिण हिंदूस्थान मेनि दी वटो होयि शे । उत्तर  
हिमगिरि ही दक्षिण विंध्य गिरि लेन्तु उत्तर हिंदूस्थान मेनसते ।  
विंध्यगिरि ही दक्षिण कन्याकुमारि लेन्तु शेस्ते प्रदेशुक दक्षिण  
हिंदूस्थान मेनसते । दक्षिण हिंदूस्थानुक दक्कन मेनि मेळो मेन  
स्तेस । उत्तर हिंदूस्थानुक [निसतो] हिंदूस्थान मेनत्तेस । दक्कानुं  
कएतु हिंये तमिळ आंध्र (तैलिंग) मलयाळ, कन्नड ए चारेको  
द्राविड भाषान मेनि नाम । हिंदूस्थानुं कएतु हिंये भाषानुक आर्य  
भाषान मेनि नाम । त्ये मराठी [महापिप्पू] गुजराती [घूर्जरी]  
सिन्धी, पंजाबी, काश्मीरी, बिहारी, ओढ़, बंगाली, अस्सामी  
नेपाली, हिंदी, अंगुत अनेकेया । ए समस्त आर्य भाषान संस्कृत  
संबन्धु होयेयो । एमां थे गडो भाषानुक तेको तेको अठ्ठा अक्षरुन  
हिंयेति मेळि कोन अक्षरं (लिफि) संस्कृत भाषो लिक्कर्यास की  
थे नागर लिफिदूस अनेक भाषान लिक्कर्यास मुद्रणो कर्लर्यास ।

गुजराती भाषो नागर लिफिन स्वीकार कएलि अक्षरु होल्ल  
जेसने गिदान मात्र हेळिळर्यास ।



हिंदी भाषा हिन्दूस्थानुं अत्यधिक जनुन हाल भाषण होरिये  
हालिम हिन्दूस्थानुं सामान्य भाषण हिन्दिरेस । एकदिक मात्र  
नहास्तकन भविष्यत कालुं भारत देशुक अस्काक, अत्तो कोन धानु  
इंगलीष भाषा सामान्य राष्ट्रीय भाषण शेकी, त्ये धानु होन जासु ।  
तेमां सोशे न्हों । तेको धेरि अत्तो हींकिन प्रयत्नु करतु राजीय  
ज्ञानिन दक्षण हिन्दूस्थानुं धर्म विद्या पाठशालान थोवि हिंदी भाषा  
सिक्कडिलेत अवरियो सुप्रसिद्ध होये विषय । अमरे सौराष्ट्र  
भाषा संस्कृत संबंध आर्य प्राकृत भाषानुं ओंटयो मेनसन निर्विवाद  
गन शेसते ।

सौराष्ट्र भाषा कोन अक्षरं लिक्सते मेनि ए अर्दि वाट  
कळानास्तक मोहिलेत हतां मधुरापुरि वासिन सौराष्ट्र विद्या  
परिषदुं नागरि अक्षरं लिक्कुनो शेसते मेनि योक्त तीर्मानुक  
अवलि त्ये धानु एको भित्तहं ब्रह्म० श्री० वि. के. नन्दयान सौराष्ट्र  
बालबोधन नागरि अक्षरं लिक्कि भराड अनि हियेस्तेको धेरि धन्यवाद  
करेस । हिंदी इत्यादि संस्कृत संबंध आर्यप्राकृत भाषान नाग-  
रि लिफि स्त्रीकार करलियेत मेळळि ए भाषा पदुनुक किन संकृत  
भाषा पदुनुक किन उच्चारणां किंचित भेद शे । संस्कृत भाषां  
अक्षरुंक शब्दु कोटि लोप होसते नही ।

हिन्दी भाषां ओकोको पदम्मु सेतुलो अवस्तान अकार  
उच्चरिनि लोप होसु । सेतुलो अकार न्होसते पदुं सेतुला  
अक्षरुंक भित्तहं लेगुतो शेसते अकार उच्चारणां लोप होय ।

हिंदी भाषा पदुन—

लिक्किनि

कपट

कपडा

निकलना

उपदेश

काम

देखना

घर

झाड

शीदड

तुमको

जायगा

बन्दर

बहिन

चाप

दूध

अलग

लडका

उदाहरणुन

उच्चरिनि

कपट

कपडा

निकल ना

उपदेश

काम

देखना

घर

झाड

शीदड

तुमको

जायगा

बन्दर

बहिन

चाप

दूध

अलग

लडका

होल्लो संगे उदाहरणुनुं हीं अमरे सौराष्ट्र भाषां मेळ्ळो  
लिक्किनि अंगुन उच्चारणायेति ए धानूस हनो मेनि जल्लुवो ॥

होयेत, अमरे भाषां ए, ओ, इये दी स्वरुन किन इये दी स्वरुन मिले व्यंजनन किन अको उच्चारणाक होयेती सेर ल'चो उच्चारणाक होयेति सेर दीतेको समं गन उपयोग हाय । उदा हल्लुन, एनो, तेनो, ओजेनो, नोक्को एट, तेट, ओडो, कोट । महाराष्ट्र भाषां मेळ्ळी होल्ले संगे धातुक ए, ओ, इये दी अक्षरुन उपयोग होरियो ।

ए रीतिगनूस ए न्हन्नो पहिलो पुस्तक मादिरि धेरि लिक्क रियो मेनि जल्लुवो । अमरे भाषा समस्त लिखितुन ए धोरणि हनो मेनि जल्लुवो । ए धातुक सौराष्ट्र शिक्षावलि व पहिलो पुस्तक भराड अनस्तक प्रचोदितो होये ब्रह्म० श्री० सादर-कृष्ण स्वामि आर्यानुक अनेक धन्यवाद कारेस ।

हरिभक्तनुक भक्तो होये

तुमरे विधेयु

ना. रा. कुम्पुस्वामि

# सौराष्ट्र शिजावली

## पहिलो भाग

सरस्वती प्रार्थना

सरस्वति नमस्तुभ्यं वरदे कामरूपिणि ।

विद्यारंभं करिष्यामि सिद्धिर्भवतु मे सदा ॥

श्रेयस देस्तान हौठेरूप धरुहस्तान ओ  
मायि सरस्वती तोको नमस्कार । विद्यो आरंभु  
करुस खोब्बि मोको सिद्धि होन्दक ।

हे लोकमाता अमरे स्वभाषो अत्तो मी लिक्कन  
जास्तान धोरणि नागरि लिफि मधुरा वासिन होये  
सौराष्ट्रभाषा भाषिन निर्विघ्नकन षेणं अंगीकार  
करलि स्थिरीकरं करि अनुभवम्यु अवडस्तक सकल  
प्रयत्नुन तेनु खळ्ळत्तिसो तेंको हृदयम्मु मायी तू  
प्रेरक रूपिणि होय हिब्बि हंनो मेनि अनंत नमस्कार  
करिलेन तोर जोवळ मी वरदान मग लोरेस ।

## स्वरुन

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ लृ  
ए ऐ ओ औ.....अं अः

## व्यंजनून

क ख ग घ ङ च छ ज झ (झ)  
ञ ट ठ ड ढ ण त थ द ध  
न प फ ब् भ् म् य् र् लृ  
व् श् ष् स ह ळ क्ष ज्ञ

## स्वर व्यंजनून

क का कि की कु कू कृ कृ कृ के कै को कौ कं कः



ख खा खि खी खु खू खृ

ग गा गि गी गु गू गृ

घ घा घि घी घु घू घृ

ङ ङा ङि ङी ङु ङू ङृ

च चा चि ची चु चू चृ

छ छा छि छी छु छू छृ

ज जा जि जी जु जू जृ

झ झा झि झी झु झू झृ

ञ ञा ञि ञी ञु ञू ञृ

ट टा टि टी टु टू टृ

ठ ठा ठि ठी ठु ठू ठृ

खे खै खो खौ खं खः

गे गै गो गौ गं गः

घे घै घो घौ घं घः

ङे ङै ङो ङौ ङं ङः

चे चै चो चौ चं चः

छे छै छो छौ छं छः

जे जै जो जौ जं जः

झे जै जो जौ जं जः

जे जै जो जौ जं जः

टे टै तो टौ टं टः

ठे ठै ठो ठौ ठं ठः

ड डा ढि डी डु डू डृ

ढे डै डो डौ डं डः

ढ ढा ढि ढी ढु ढू ढृ

ढे ढै ढो ढौ ढं ढः

ण णा णि णी णु णू णृ

णे णै णो णौ णं णः

त ता ति ती तु तू तृ

ते तै तो तौ तं तः

थ था थि थी थु थू थृ

थे थै थो थौ थं थः

द दा दि दी दु दू दृ

दे दै दो दौ दं दः

ध धा धि धी धु धू धृ

धे धै धो धौ धं धः

न ना नि नी नु नू नृ

ने नै नो नौ नं नः

प पा पि पी पु पू पृ

पे पै पो पौ पं पः

फ फा फि फी फु फू फृ

फे फै फो फौ फं फः

ब बा बि बी बु बू बृ

बे बै बो बौ बं बः

भ भा भि भी भु भू भृ

भे भै भो भौ भं भः

म मा मि मी सु सू मृ	मे मै मो मौ मं मः
य या यि यी यु यू यृ	ये यै यो यौ यं यः
र रा रि री रु रू रृ	रे रै रो रौ रं रः
ल ला लि ली लु लू लृ	ले लै लो लौ लं लः
व वा वि वी वु वू वृ	वे वै वो वौ वं वः
श शा शि शी शु शू शृ	शे शै शो शौ शं शः
ष पा पि पी पु पू पृ	पे पै पो पौ पं पः
स सा मि सी सु सू सृ	से सै सो सौ सं सः
ह हा हि ही हु हू हृ	हे है हो हौ हं हः
ळ ला लि ली लु लू लृ	ले लै लो लौ लं लः
क्ष क्षा क्षि क्षी क्षु क्षू क्षृ	क्षे क्षै क्षो क्षौ क्षं क्षः
ज्ञ ज्ञा ज्ञि ज्ञी ज्ञु ज्ञू ज्ञृ	ज्ञे ज्ञै ज्ञो ज्ञौ ज्ञं ज्ञः

## संयुक्त अक्षरान

क्क = क्क, क्त = क्त, क्त्व = क्त्व  
क्न = क्न, क्म = क्म, क्य = क्य,  
क्र = क्र, क्ल = क्ल, क्व = क्व,  
क्ष = क्ष, क्षण = क्षण, क्षम = क्षम,  
क्ष्य = क्ष्य, ख्य = ख्य, क्ष्व = क्ष्व  
ग्ध = ग्ध, ग्न = ग्न, ग्र = ग्र,  
ग्य = ग्य, ग्ल = ग्ल, ग्व = ग्व  
घ्न = घ्न, घ्य = घ्य, घ्र = घ्र,  
घ्व = घ्व, ङ्क = ङ्क, ङ्क्त = ङ्क्त,  
च्च = च्च, च्छ = च्छ, च्छ्र = च्छ्र, च्छ्व = च्छ्व  
च्चम = च्चम, च्य = च्य, ज्ञ = ज्ञ

ज्र = ज्रर,      ज्व = ज्वर,      हृ = हृर  
 ल्य = ल्यर,      लू = लूर,      झ = झर  
 झ = झर,      ल्य = ल्यर,      डु = डुव  
 ल्य = ल्यर,      णण = णण,      णम = णम  
 प्य = प्यर,      प्व = प्वर,      त = तर  
 त्र = त्रर,      तथ = तथ,      थ्य = थ्यर  
 त्र = त्रर,      तप = तप,      त्र = त्रर  
 तफ = तफ,      तम = तम,      त्र = त्रर

त = तर, ज्य = ज्यर, त्र = त्रर, त्र = त्रर

तन = तन, त्र्य = त्र्यर, त्र = त्रर

ह = ह, ह = ह, ह = ह

ह = ह, ह = ह, ह = ह

च = च, द = द, द = द

ह = ह, ह = ह, ह = ह



ध = ध्न,	धम = ध्म,	ध्य = ध्य,
ध्र = ध्रर,	ध्व = ध्रव,	ध्न = ध्न,
न्म = न्म,	न्य = न्य,	न्व = न्व
प्त = प्त,	प्त्य = प्त्य	प्न = प्न,
प्म = प्म,	प्य = प्य	प्र = प्र,
प्ल = प्ल	प्स = प्स,	वज = वज,
व्द = व्द,	वध = वध,	व्य = व्य,
व्र = व्र,	भण = भण,	भन = भन,
भ्य = भ्य,	भ्र = भ्र,	भ्र = भ्र,
म्म = म्म,	म्य = म्य,	म्र = म्र,
म्ल = म्ल,	म्व = म्व,	य्य = य्य
य्व = य्व.	र्ण्य = र्ण्य,	ध्व = र्ध्व,
लक = लक,	लग = लग,	लप = लप,
ल्म = ल्म,	ल्य = ल्य,	ल्ल = ल्ल,
ल्व = ल्व,	व्य = व्य,	व्र = व्र,

श्र = श्च.    श्र = श्न    श्रम = श्म,  
 श्रय = श्य,    श्र = श्र,    श्रु = श्रु,  
 श्रव = श्व,    श्रक = श्रक,    श्रक = श्रक  
 श्रु = श्रु,    श्रुय = श्रुय,    श्रु = श्रु,  
 श्रुय = श्रुय    श्रुण = श्रुण,    श्रुण = श्रुण,  
 श्रुप्र = श्रुप्र,    श्रुम = श्रुम,    श्रुय = श्रुय,  
 श्रुव = श्रुव,    श्रुक = श्रुक,    श्रुख = श्रुख,  
 श्रुत = श्रुत,    श्रुथ = श्रुथ    श्रुन = श्रुन,  
 श्रुप्र = श्रुप्र,    श्रुक = श्रुक,    श्रुम = श्रुम,  
 श्रुय = श्रुय,    श्रु = श्रु,    श्रु = श्रु,  
 श्रु = श्रु,    श्रु = श्रु    श्रु = श्रु

श्रु = श्रु,    श्रु = श्रु,

## एक-दो अक्षर पदुन

मी	हाय	भुयँ	कोन	तूय
तू	मुंगि	लाग	वरो	धेयँ
आव	म्हकि	वत्तो	सनि	हार
जा	प्रायँ	पनि	देनि	तंबे
खा	हात	मत्ति	चक्र	तळो
जेम	कान	पिसो	दळो	थळो
अवो	वाट	मुख	पटो	म्हळि
जवो	चाल	ज्ञानि	बैल	साप
घार	खाड	दास	मिरि	रोष
घेर	सुनो	भक्ति	थोव	लाज
राम	एनो	भक्तो	आज्ञो	क्रोध
रामो	नेनो	शर्मो	नाश	ईर्षी
सीतो	कोट	वर्मो	कर्तो	कौळो
राण	गोरि	दोयँ	नाश	रमो

झाड	गोरो	आंगु	रुप्पो	म्होर
माय	गोरु	चर्मो	सोन्नो	पोळो
बाप	गाय	दोळो	बळु	कैलो
न्हुरु	घोडो	जीप	भात	चंदि
काय	भैस	नाक	पान	चांद

### एक-दी-थीन अक्षर पढुन

सा	संकल्प	म्हटबो	होडय	गृहस्थो
पे	नरक	उत्पत्ति	होडै	शिंगार
ले	खपिरि	सम्मत	पीले	अन्दूस
न्हा	विजनो	पालन	वस्ताद	धमनि
न्ही	भजनो	जगत	देगडो	गवस
ह्री	निकिळ	पाताळ	बंगाण	सरस
ह्रीं	मरण	तपस	पंचल	मोरस
गरुड	मोरन	दोंगर	हुंदिर	मरन
मांजिरि	जीवन	लगडो	नायक	समुद्र

रावण	जितप	लोकण	सेवक	सोन्दुर
लक्ष्मण	कोसिनि	केस्तुल	मेनिक	हपाळ
झडकि	हुंगिनि	पुस्तक	बालक	हनस
दोसको	चटिनि	चेकुळ	मत्सर	शकट
शिरस	बौळनि	निवास	घेदड	कुंजर
ऐकिनि	चलनि	कसार	सोन्नार	उदर
लगाड	धुवनि	लोहार	वंकट	प्रधान
हौटन	सौकाश	कुंभार	कुकडो	कटस
संकल्पु	बेडको	विन्नार	कुकाडि	हुत्रम
वैकुंठ	बेडाकि	सिन्नार	किर्विल	होयेत
कैलास	अज्जवो	लिख्नार	सन्यासि	हिंयेत

— ० —

### वाक्युन

पुन्निमु चांद । अमासु हन्दार । सुनो उस्कस । घेदड  
लतस । म्होर वोवस । घार हुडस । मंजिरि भवाट  
तकस । पानुं भात । रुप्पा थळो । पौसु पनि । माय



बापुक नमो । गुरु संगे धानु ऐको । तुमि कोट  
 जारियो । कशिं विश्वनाथ मूर्ति शे । गंगा तीर्थ  
 शुद्धं शे । म्हकि गुरु होर बिसै । शेकर गुल्ले-  
 हाय । मुंगि चैव । कान ऐकै । पायँ चलै ।  
 हात देय । दोळो साय । नाक हुंग । जीब चटै ।  
 वरो लगै । हून तपै । पौस लुचै । पिडुग पोडै ।

राम रावणुक संहरेस ।

रावण सीताक अपहरेस ।

तेकहाल तेक कुलं मूळ सेरो नशेस ।

विभीषणाक रामो लंका पट्टाभिषेक करेडस ।

रामाक हनुमन्त आतिप्रिय भक्तो ।

गंगा मायिक भगीरथ भुयिरँ अनेये ।

पंजाब देशुं सिंधु नदि प्रवहरियो ।

हिमगिरि भारत देशुक उत्तर दिशां शसते ।

पापिन नरकुं यातनो अनुभवन ।

पुण्यात्मन स्वर्गुं सुख अनुभवन ।

चिडोमत्तिं हीं कुंभार भोन्नो करस ।

## उपदेश वाक्युन

१. जगतुक सृष्टि कर्तो ईश्वर । तेको अमि सान सुसुना । होयेतिन्नु तेनो न्ही मेनन होना ।

दुफारुं नक्षत्रुन देक्कानि । होयेतिन्नु त्येवेळ त्ये अकाशुं न्हीस्तक जेडयेनी । सुरितु तीक्ष्ण प्रकाश हाल देक्कारियो न्ही । अकाशुं शेसते शेस तेसी । दूधुं लोनि शे । होयेतिन्नु मोत्तुहाल गुसिलेतीस लोनि निकुळै । त्ये धानु ईश्वरुक जन्नो मेनेत तेक होये साधनान भजनो ध्यान आत्मविचारणो इत्यादि करनो ।

२. ईश्वर सर्व शक्तिमान । इच्छा मात्रं हाल तेनो असकि करन शेक्कै । ईश्वरुक अनन्त नामुन शे । तेको कोन नाम सेरो कोन रूप भवालि कोन ओजेनो बावस की ले धानु तेक मोन्नु आशान पूर्ति करस ।

३. घोम्मा यजमान सेरो अनेक जनाक अनेक संबंधुन शे । ओजेनाक तेनो बापगा शे । ओजेना क ककोगा, ओजेनाक ममोगा ओजेनाक भैगा ओजेनाक अंबुलोगा ए धानु असाकि शे । ते रीति गन परमात्मो एकीस अनेक मेन्क्यान अनेक भावुन सेरो तेको उपासनो करयास ।

पनि एकीस । तेको ओजेनो जल ओजेनो वाटर, ओजेनो अप मेनि मेनस । ते धानु भगवानुक ओजेनो गाड, ओजेनो हरि, ओजेनो राम, ओजेनो ईशु ओजेनो अल्लाह मेनि मेनस । वस्तु एकीस केवल नामुं भेद शेसते ।

४ ईश्वरोक कोन शक्ति हाल सृष्टि स्थिति प्रलयुन होरेस की तेक नाम माया मेनि मेनसते ।

५ ल्होगण अंगुन स्कान्तुक संबंध कोन धानुक की ते धानु इश्वरुक किन जीवुक संबंध शे ।

लहोगण भेलि शुद्धं हियेतीस स्कान्त तेको चट  
करि आकर्षै । मलिन होयि हियेत स्कान्त आकर्ष  
ण करना । ते धानु जीव मायहाल झगिनि होयि  
हियेत ईश्वर जोवळ जान मुसुना ।

६ ए जगतुं ईश्वर मात्रं सत्तुगन शैसते दुसरे  
यो समस्त असत्तु ।

७ दुर्लभ होये मनुष्यजन्मु ली कोन ओजेनो  
ईश्वरप्राप्ति धेरि यन्नु करस न्हीकी तेक जन्मु  
वृथा ।

८ हातुक तेल लवालि फोन्निसु पोळो कटत्तेमां  
हातुक चिगुटो देसुना । ते धानु ईश्वर होर भक्ति  
विश्वास थेवि संसारुं समस्त काम करनि हाल  
जीव संार बन्धुं संटिनि पोण्णा ।

९ जालविद्ये जनेत्तेनो अपुलान गेळां साँप कोन  
धानु गुणुल्लस की ते धानु ईश्वर चरण कमल  
प्राप्ति होयेत्तेनो संसारुं धक्कुना ।

१० मुळो तू ईश्वर प्राप्ति वन्नो प्रयत्नु कार।  
फळो तोरे इच्छो काय की तू केरन शेकुवाय ।

### गणित

— कळो	१ एक, ओक
= अटोवटो	१५ । ओवुन कळो
≡ त्रिकळो	१५ ॥ देड
। चौतो	१५ ॥ कलनदी
। — चौतर कळो	२ दी
। = चौतर अटोवटो	३ थीन
। ≡ चौतर त्रिकळो	४ चार
॥ हहु	५ पांच
॥ — हहुर कळो	६ सो
॥ = हहुर अटोवटो	७ सात
॥ ≡ हहुर त्रिकळो	८ आट
॥॥ तिवो	९ नौ
॥॥ — तिवर कळो	१० देश-दश
॥॥ = तिवर अटोवटो	११ विग्यार
॥॥ ≡ तिवर त्रिकळो	१२ बार



१३ तेर	३१ योगळ तीस
१४ चौद	३२ दीगळ तीस
१५ फन्दर	३३ थीन्गळ तीस
१६ सोव्वळ	३४ चार्गळ तीस
१७ सत्तर	३५ पांचगळ तीस
१८ दीवुनीस	३६ सोगळ तीस
१९ ओकुनीस	३७ साद्रळ तीस
२० वीस	३८ दीवुन-चळिस
२१ योगळीस	३९ योगुन-चळिस
२२ दीगळीस	४० चळिस
२३ थीन्गळीस	५० पन्नास
२४ चार्गळीस	६० साट
२५ पंचीस	७० सत्तत
२६ सोगळीस	८० आशि
२७ साद्रळीस	९० नवत
२८ दीवुन्तीसे	१०० सात
२९ योगुन्तीस	११० सोतुर दस
३० तीस	१५० सोतुर पन्नास-देड सौत

२०० दी सोत	२००० दी सार
३०० थीन सोत	१०००० दस सार
४०० चार सोत	१००००० लेख-लख
५०० पांच सोत	१००००००० कोटि
१००० ससर-सार	१००००००००० अर्भुद
१५०० ससरुर पांचसोत-देड सार	

### काल परिमाण

६० निमिष मिळि	१ घंटो
२४ घंटो	१ दिन
७ दिन	१ वार
१५ दिन	१ पक्षो
२ पक्षान	१ म्हडो
२ म्हडान	१ ऋतु
३ ऋतुन	१ अयन
२ अयनुन	१ ओर्सु--वर्सु

## युगुन. ४.

कृतयुग	ओर्सु संख्यो	१७२८०००
त्रेतायुग	,,	१२९६०००
द्वापरयुग	,,	८६४०००
कलियुग	,,	४३२०००

ए धानु ४३२०००० ओर्सुन मिळि चतुर्युग  
मेनि नाम । इसा चतुर्युगुन २००० मिळेत जगत  
सृष्टि कर्तो होये ब्रह्माक ओंटे रात दीस मेनसते ।

वारुन ७ तेक नामुन ।

१. ऐतार २. सोमार. ३. मंगळार ४. बुधवार  
५. गुरुवार ६. शुक्रार ७. शनिवार ॥

पक्षान २ । तेक नामुन ।

१. शुक्ल पक्षो २. कृष्ण पक्षो ॥

महडान १२ तेक नामुन ।

१. चैत्र      २. वैशाख    ३. ज्येष्ठ      ४. आषाढ  
 ५. श्रावण      ६. भाद्रपद    ७. आश्वयुज    ८. कार्तिक  
 ९. मार्गशिर    १०. पुष्य      ११. माघ      १२. फाल्गुण
- 

ऋतुन ६ । तेक नामुन ।

१. वसंत ऋतु    २. ग्रीष्म ऋतु    ३. वर्ष ऋतु  
 ४. शरद ऋतु    ५. हेमंत ऋतु    ६. शिशिर ऋतु
- 

अयनुन २. । तेक नामुन ।

१. उत्तरायण [माघ महडो हीं आषाढ महडो लेन्तु] २. दक्षिणायन (श्रावणमहडो हीं पुष्य महडो लेन्तु)
-

ओमुन ६० — तेक नामुन

१. प्रभव	२१. सवाजित	४१. प्लवंग
२. विभव	२२. सर्वधारि	४२. कीलक
३. शुक्ल	२३. विरोधि	४३. सौम्य
४. प्रमोदूत	२४. विकृति	४४. साधारण
५. प्रजोत्पत्ति	२५. खर	४५. विरोधिकृत
६. आंगारिस	२६. नंदन	४६. परीधावि
७. श्रीमुख	२७. विजय	४७. प्रमादीच
८. भव	२८. जय	४८. आनंद
९. युव	२९. मन्मथ	४९. राक्षस
१०. धातु	३०. दुर्मुखि	५०. नळ
११. ईश्वर	३१. हेविळंबि	५१. पिंगळ
१२. बहुधान्य	३२. विळंबि	५२. काळयुक्ति
१३. प्रमादि	३३. विकारि	५३. सिद्धाद्रि
१४. विक्रम	३४. शर्वारि	५४. रौद्रि
१५. विषु	३५. प्लव	५५. दुर्मति
१६. चित्रमानु	३६. शुभकृत	५६. दुंदुभि
१७. स्वमानु	३७. शोभकृत	५७. रुधिरोद्धारि
१८. तारण	३८. क्रोधि	५८. रक्ताक्षि
१९. पार्थिव	३९. विश्वावसु	५९. क्रोधन
२०. व्यय	४०. पराभव	६०. अक्षय

शुक्ल पक्षतिथिन १५ । तेक नामुन ।

१. पौडो	२. द्वितीय	३. तृतीय
४. चतुर्थि	५. पंचमि	६. षष्टि
७. सप्तमि	८. अष्टमि	९. नवमि
१०. दशमि	११. एकादशि	१२. द्वादशि
१३. त्रयोदशि	१४. चतुर्दशि	१५. पुनिस

कृष्ण पक्ष तिथिन १५ । तेक नामुन ।

१. ह्रीं	१४. लेंतु होले धानु	१५. अमास
----------	---------------------	----------

नक्षत्रुन २७ तेक नामुन

१. अश्वनि	१०. मख	१९. मूल
२. भरणि	११. पुब्ब	२०. पूर्वाषाढ
३. कृत्तिक	१२. उत्तर	२१. उत्तराषाढ
४. रोहिणि	१३. हस्त	२२. श्रवण
५. मृगाशिर	१४. चित्त	२३. धनिष्ठ
६. आरुद्र	१५. स्वाति	२४. शतभिष
७. पुनर्वसु	१६. विशाख	२५. पूर्वाभाद्र
८. पुष्यमि	१७. अनुराध	२६. उत्तराभाद्र
९. अश्लेष	१८. ज्येष्ठ	२७. रेवति ॥



## दिक्कुन ४ । तेक नामुन

१. उत्तर    २. दक्षण    ३. खौनस    ४. ओसतो

—०—

## राशिन १२ तेक नामुन

१. मेष	२. वृषभ	३. मिथुन
४. कटक	५. सिंह	६. कन्या
७. तुला	८. वृश्चिक	९. धनुष
१०. मकर	११. कुंभ	१२. मीन

—०—

## ग्रहान ९ । तेक नामुन

१. सुरित	२. चाटु	३. अंगारक
४. बुध	५. गुरु	६. शुक्र
७. शनि	८. राहु	९. केतु

—०—

## १. सोळो फार उठनि लाभ

न्हुगुन्नुवो, सोळो फार उठो । उठिलेत भगवानु नाम मेनो । तुमरे सुख धेरि अनेक वस्तु न सृष्टि करि हिंयेस ! सोळो फार कोन काम करन की तेमां चोक्कड मोन्नु लगै । सोळो फारुं पठिनि काय प्रयोजन करै की त्ये दुसरो समयुं पठिनि करन शक्नुना । सोळो फार उठि कोनयो हौटन कर्लसुन की त्ये षेण हौटनुक हिंब्बसते न्हात्तकिन विसुर अवसते न्ही । सोळो फार उठसते हालिं बुद्धि चेडै अंगुन शरीरुं रोग न्हीस्तक होय । सुरित निकिळे फरात निंजि हांत्तेमां शरीरुं जाड्यं उजै । एक हालिं बाळुन सोळोफार उठस्तक अभ्यास करलुनो ।

## २. बेडकान अंगुन मेर्कळिन

ओक तळां मेर्कळिन होतेस । तेक केदर थेवंडो बेडकान खेळ्ळे होत्यास । हौटेत तेनु तळां

देगडान धड धड करि विसिरले होलास । अय्यो पाप  
 भेकैलिन धाक्किया । थेवडो तेक दोस्कान फुट्टे ।  
 थेवडो तेक हात पायिँन तुट्टे । पनि ही ओंटे  
 भेकैलि दोसको उंचो करलि बालुनुक शै धक्किले  
 तुमि अमरे होर दयो करि देगडान विसुरुनको  
 मेनि मेनेस । अमि तुमको धेरि अमरे खेळ सोडुवे  
 हाँ मेनि ओंटे बेडको जबाब दियेस । तेको तुमरे  
 इये खेळ हाल अमरे दोस्कान फुट्टि अमि मोरयाँस  
 ना मेनि भेकैलि प्रत्युत्तर दियेस । दुसरो जेनाक  
 दुःख होसते मादिरि इसा खेळुन बेङ्कान खेळन  
 होना ।

### ३. भैन मिलि हनि

भैन भैनुं भेद झुगु न्ही । कारण काय  
 मेनतो तेनु ओंटेस माय बापुक उज्यात्तेनु अंगुन  
 ओंटेस मायि दूध पियात्तेनु । हाल भैन अपलानुं  
 मल्लसते भेलि अयोग्य । कोन अपुलान भैन सेरो

मिळि हांसुन की तेंको म्हट्पन मयादि शे । एक  
 धेरि भैन भैन अपुलानुं ओजेनाक ओजेनो ग्रामो  
 होर हनो । स्वभाव मिळनात्तलेंगो भैन अलग्गो  
 होसते तेत्तेवेळां देक्कैरेस । तिसो होयेत मेळो  
 ओजेनाक ओजेनो सहाव करिलेत हनो । एधानु  
 अपुलानुं मिळि हनि हाल म्होटो म्होटो कामुन  
 सहजम्मु कर्लुवाय । सेज्जान सेरो मित्रुन सेरो मेळो  
 एधानुकूस चल्लुनो ।

ओंटे मेनिकुक थेवडो बेटान होंत्यास ।  
 तेनु नित्ते अपुलानुं मळि ले होंत्यास । तेंको बाप  
 तेंको झुग्गु समाधान करेस । होयेत तेनु ऐक्यानि ।  
 एक दिन बाप तेक बेटान असाकि तेंको मिळविलि  
 ओंटे पटि दोर दी तुमरे बलं एको होर देक्कडि  
 तोडो सजे मेनि मेनेस । ओक्को को बेटो  
 त्ये दोरुक तोडन सियेस । होयेत कोंकिहाल  
 तोडन मुसेनि । तेवेळ ओंटोंटे ताक अलग्गो करि



सोडो मेनि बाप मेनेस । ए ऐक्यात्तेसी तेनु त्ये  
 धानुक करि तोडि तैदया । एस धानुक तुमि अपुलानुं  
 मिळि गिळि हिंयेत तुमको कोन्नि कै करन मुसुना ।  
 तुमि अलग्गो होय्येत कोन हौटेत सेर तुमको  
 हानि करन शकै । तेक हाल तुमि भैन खोर्बि प्रामो  
 होर मिळि हनो कळळुवो मेनि दोयगोरो बेटानुक  
 उपदेश करेस ।

### मातृभाषा परिज्ञान

ओजेनो कोन मायि पोदुं उजि दूध पी वत्तान  
 सिक्की होडेस की त्ये वत्तानुक मातृभाषो मेनसते ।  
 अंगुन समस्त इतर भाषा ज्ञानुक शास्त्रार्थ ज्ञानुक  
 ए मूलकारण गन हिब्बसते हालि एको मातृभाषो  
 मेनसते । देशभाषो स्थलभाषो मातृभाषो ए थीनेमां  
 मातृ भाषो भेलि पूजितो होयेयो । कीर पहिलां पहिलो  
 सिक्कुनो शेसतेयो । दिवोयो स्थलभाषो अवश्यंगन  
 थिन्बाये देशभाषो अवश्यं गन शेसते ।

अनेकं कळये विद्वान ओजेनो कोन जनसमूहम्मु  
 उजेकी त्ये जनन्हुगुन्नुक तेनो मायि स्थानम्मु शेस  
 तेनो । तेको जोवळ मातृभाषा पांडित्यं हीं तेनो  
 रचेस्तान मातृभाषा ग्रन्थुन तेक न्हुगुन्नुक बुद्धि  
 पोषणो करस्तक मायि दूध गन शेसते । न्हुगुन्नु  
 शरीरक पुष्टि आरोग्यं वृद्धि होस्तक मायि दूध  
 भेलि आधार होय हिंयेयो । न्हास्तक सुलभम्मु  
 अब्बत्तिसो शेसते ।

ए धानुक जनसमूहम्मु शेसते जनुनु बुद्धि  
 प्रकाशस्तक विद्वान लिक्के मातृभाषा ग्रन्थुन सात्तक्किन  
 जल्लस्तक्किन भेलि सुलभ होयेयो । तिसा मायि दूध  
 पेनास्तक अलक्ष्यंगन सोडुहिंये न्हुर शरीर बलहीनं  
 हाल कृशं होमते न्हात्तक्किन मायि हेम दुक्कात्तिसो होय।  
 ए कोन धानुक की त्ये धानुक कविन हाल रचनो होये  
 मातृभाषा ग्रन्थुन सानास्तेनु पढुनास्तेनु जल्लुनास्तेनु

मातृभाषा ज्ञान वृद्धिक योग्यं होये अपुलान  
 बुद्धिनुक वृद्धि होनासत्तिसो कलरियो न्हास्तक



त्ये कवि तेक जीवित कालुं खळिये श्रमाक कूलि  
देनास्तक तोण हने पाप अनुभवस्तक पात्रो  
होयात्तेनु । तेमां तीळुक केन्नु इतको मेळि  
सोंशे न्ही ।

महान वेंकटसूरिन सौराष्ट्रभाषां संगीतुं गवे  
रामायण कोन गवुन थोव्यास । अत्तो कररियो  
सौराष्ट्रभाषां खटो खोळ्च्यान सोगन खडो वळुन  
सोगन शेतते किन पूर्वस्थान सौराष्ट्रदेश तोकन  
निकिळि दक्षिण हिंदुस्थानुक अवे मध्य कालुं मिश्रं  
होये द्राविड भाषा पदुन रूपुन हेडि प्राकृत पदुन  
संस्कृत पदुन मिळवि त्ये रामायणम्नु वेंकटसूरिन  
मुसे कोदिक शुडं करि थोवियास ना। सौराष्ट्रभाषिनुं  
संगीत कळये विद्वान्नु कितको तेनु अत्तो न्ही । तेनु  
असकि काय करयास । वेंकट सूरिनु रामायण हार  
गवुन थोवि सिक्कि सिक्कडि गवि गवाडि कोको

वृद्धिक अनन होना अनडन होना । हे सौराष्ट्रभाषा  
 भाषिनवो ए पाप असकि तुमको गो सोडि जैड  
 मेनि तुमि हौट्यास हाँ । स्वभाषा अभिमान रवो  
 मेळो न्हित्ते हालिमूस ए सौराष्ट्र भाषा भाषिनुक  
 सेज्जान जोवळ हीं अपकीर्ति किन अवमान  
 सुट्टुनात्तक अंगुन धेळि हींरियो । इसा अपकीर्ति  
 किन अवमान अंगुन इसोस हौलि अवन्दक मेनि  
 हौटत्तिसा जडप्रयुन गन तुमि हियेत मधुरावासिन  
 होये हे सौराष्ट्रभाषाभाषिनवो तुमरे भाषो हेर अंगुन  
 अलक्ष्यंगन तुमि हींलि अवन । तिसो न्ही, मातृ  
 भाषा अभिमान थोवि सूरिनु रामायण आदि ग्रन्थुन  
 आदरणो करि सोम्मर अवत्तिसो खोव्वो तुमि प्रगट  
 करसुन की खोव्वो मातृभाषां लिकिनि पठिनि ग्रन्थुन  
 रचनो करनि सर्वसाधारण कन अवळसुन की थेव्वो  
 तुमको चोक्कड वेळ थेव्वो तुमको यशस मिळनि  
 थेव्वो तुमको अपकीर्ति किन अवमान जनि होय ।  
 थेव्वा तुमको ईश्वर अनुग्रहं करै मेनि जळुवो ।

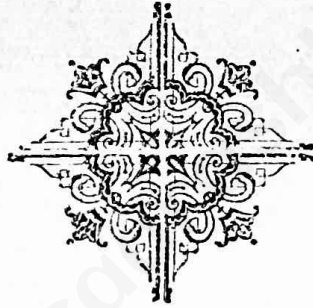
तेक म्हजारुं कोन्नि विधम्मु तुमको विमोचन  
जुण्णा । जाग्रत गन हीलि अवो ।

हे सौराष्ट्रभाषाभाषिनवो अत्तेगुडती तुमरे  
स्वभाषां श्रद्धो अभिमान थोवालि भाषो सोम्मर  
अवळुवो का । मेनि भेलि विनयं सेरो प्रार्थनो  
कररेस ।

भाषो शरीरगन तेक होये लिफिन गण  
गन शेसते । तुमरे भाषाक प्राणस्थानम्मु शेसते नागर  
लिफिं लिक्स्तक पंठस्तक पुस्तकुन रचनो करस्तक  
श्रद्धो खळुवो मेनि प्रार्थरेस ।

प्राण न्हीसते शरीर मोडो होय कोन्नि  
विधम्मु पूज्यताक पात्रं होनास्तक दहनं करस्तक  
मात्रं योग्यं कोनक की त्ये धानुक तुमरे भाषाक  
लिफिन अनुभवम्मु अत्रळुनास्तक हल्लेन्तुं भाषाक  
माणं मर्याद जुण्णा । त्ये ओंटे भाषो मेनि विवेकिन  
अंगीकार कर्लुनान । कोर्वानु भाषो काय मर्यादु

शे की तेक सोम्मर चेडाव स्थान प्रतीक्षस्तक  
(एदुर सारस्तक) तुमको काय न्याव शे । जनि ए क्षण  
हींले किन अत्यंत श्रद्धो खळि काम करो ।



पो क्रो	पंक्ति	शुद्धि पत्र अशुद्ध	शुद्ध
६	३	हाय	होय
१३	६	त्त्र	त्त
१६		दो	दी
१६	१	तूय	तूम
११	७	मूर्ख	मूर्ख
११	१२	नेनो	तेनो
११	१४	नाश	नाक
२२	८	यन्तु	यत्नु
११	१३	सं र	संसार
२३	२	शेकुवाय	शेकुवाय
११	१४	हड्डर	हड्डर
२४	१६	दीवुन्तीसे	दीवुन्तीस
११	११	सात	सोत
२८	१	सर्वाजित	सर्वजित
३०	९	चादु	चांदु
३१	१५	खेळे	खेळे



पुस्तक पजे होयास्तेनु खळा विलासुक लिकि मग लुवाय

ना. रा. कुपुस्वामि

नयनियण्ण ना. कन वीथी

पार्क टौन पोस्ट, मद्रास.